प्रश्न 1. महात्मा बुद्ध का जन्म किस वृक्ष के नीचे हुआ था?

(A) पीपल वृक्ष
(B) आम का वृक्ष
(C) शाल वृक्ष
(D) बोधि वृक्ष

✅ **उत्तर: (C) शाल वृक्ष**
महात्मा बुद्ध का जन्म लुम्बिनी (नेपाल) में शाल वृक्ष (Sal Tree) के नीचे हुआ था, जब उनकी माता महामाया देवदह जाते समय वहाँ रुकीं और वृक्ष की डाल पकड़कर उन्हें जन्म दिया, इसलिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि जन्म का संबंध शाल वृक्ष (लुम्बिनी) से है जबकि ज्ञान प्राप्ति पीपल वृक्ष (बोधगया) के नीचे हुई थी, और यही छोटा सा अंतर अक्सर छात्रों को भ्रमित कर देता है।

प्रश्न 2. महात्मा बुद्ध के जीवन में 'यौवन' का प्रतीक क्या है?

(A) कमल
(B) हाथी
(C) साँड़
(D) घोड़ा

✅ **उत्तर: (C) साँड़**
बौद्ध कला में महात्मा बुद्ध के जीवन की घटनाएँ प्रतीकों से समझाई जाती हैं— माता के गर्भ में आना = हाथी, जन्म = कमल, यौवन = साँड़ (शक्ति और युवावस्था का प्रतीक), गृह त्याग = घोड़ा, ज्ञान प्राप्ति = पीपल वृक्ष, निर्वाण = पदचिन्ह, प्रथम उपदेश = चक्र और महापरिनिर्वाण = स्तूप, इसलिए परीक्षा के लिए खास तौर पर साँड़ (यौवन) और हाथी (गर्भ प्रवेश) के अर्थ याद रखना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि यही अक्सर भ्रम पैदा करते हैं।

प्रश्न 3. महात्मा बुद्ध के प्रमुख शासक अनुयायियों में कौन शामिल थे?

(A) केवल बिम्बिसार
(B) बिम्बिसार, प्रसेनजीत, अजातशत्रु, उदयन
(C) केवल अशोक और कनिष्क
(D) चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक

✓ **उत्तर: (B) बिम्बिसार, प्रसेनजीत, अजातशत्रु, उदयन**
महात्मा बुद्ध के जीवनकाल में चार प्रमुख शासक उनके समर्थक थे— बिम्बिसार (मगध) जिन्होंने वेलुवन विहार दान किया, प्रसेनजीत (कोसल) जिनकी राजधानी श्रावस्ती में बुद्ध ने सबसे अधिक वर्षावास किए, अजातशत्रु (मगध) जो पहले विरोधी थे पर बाद में अनुयायी बने और प्रथम बौद्ध संगीति के संरक्षक रहे, तथा उदयन (वत्स/कौशांबी), वहीं राजकीय महिला अनुयायियों में क्षेमा (बिम्बिसार की पत्नी) और मल्लिका (प्रसेनजीत की पत्नी) विशेष रूप से उल्लेखनीय थीं।

प्रश्न 4. बिम्बिसार की पत्नी 'क्षेमा' किस धर्म से जुड़ी थीं?

(A) वे जैन धर्म की अनुयायी थीं
(B) वे बौद्ध धर्म की प्रमुख राजकीय महिला अनुयायी थीं
(C) वे हिंदू धर्म की अनुयायी थीं
(D) उनका किसी धर्म से कोई संबंध नहीं था

✓ **उत्तर: (B) वे बौद्ध धर्म की प्रमुख राजकीय महिला अनुयायी थीं**
क्षेमा (Khema) मगध के राजा बिम्बिसार की पत्नी थीं और बौद्ध धर्म की प्रमुख राजकीय महिला अनुयायी मानी जाती हैं; प्रारंभ में वे अपनी सुंदरता पर गर्व करती थीं, लेकिन महात्मा बुद्ध के उपदेश से प्रभावित होकर उनका जीवन बदल गया और वे भिक्षुणी बन गईं, साथ ही प्रमुख महिला अनुयायियों में क्षेमा (बिम्बिसार की पत्नी) और मल्लिका (प्रसेनजीत की पत्नी) का विशेष स्थान है, जबकि थेरीगाथा में क्षेमा की आध्यात्मिक कविताएँ संकलित हैं, जो यह दर्शाती हैं कि बौद्ध धर्म स्त्रियों और सभी वर्गों तक पहुँचा।

प्रश्न 5. राजा प्रसेनजीत की पत्नी 'मल्लिका' किससे संबंधित थीं?

(A) वे बुद्ध की कट्टर विरोधी थीं
(B) वे कोसल के राजा प्रसेनजीत की पत्नी और बुद्ध की राजकीय महिला अनुयायी थीं
(C) वे मगध की रानी थीं
(D) वे पंचवर्गीय ब्राह्मण की पत्नी थीं

✓ **उत्तर: (B) वे कोसल के राजा प्रसेनजीत की पत्नी और बुद्ध की राजकीय महिला अनुयायी थीं**
मल्लिका (Mallika) कोसल के राजा प्रसेनजीत की पत्नी थीं और बौद्ध धर्म की प्रमुख राजकीय महिला अनुयायी मानी जाती हैं; बौद्ध साहित्य में उनकी बुद्धिमत्ता और गहरी धार्मिक आस्था का सुंदर वर्णन मिलता है, जबकि प्रसेनजीत स्वयं भी बुद्ध के उत्साही अनुयायी थे और कोसल में बुद्ध ने लगभग 25 वर्षावास किए, इसलिए दोनों का बौद्ध धर्म से गहरा संबंध रहा, साथ ही परीक्षा के लिए याद रखने योग्य जोड़ी है — क्षेमा (बिम्बिसार की पत्नी, मगध) और मल्लिका (प्रसेनजीत की पत्नी, कोसल)।

प्रश्न 6. बौद्ध संघ में प्रवेश के लिए शुद्धोधन के कहने पर बुद्ध ने क्या आदेश दिया?

(A) केवल ब्राह्मणों को प्रवेश मिलेगा
(B) बौद्ध संघ में उन्हीं को प्रवेश मिलेगा जो कम-से-कम माता-पिता की आज्ञा लेकर आए हो
(C) केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को प्रवेश मिलेगा
(D) केवल गृहस्थ जीवन त्यागने वालों को प्रवेश मिलेगा

✓ **उत्तर: (B) बौद्ध संघ में उन्हीं को प्रवेश मिलेगा जो कम-से-कम माता-पिता की आज्ञा लेकर आए हो**
जब महात्मा बुद्ध के पुत्र राहुल को संघ में दीक्षित किया गया तो शुद्धोधन को गहरा दुःख हुआ, क्योंकि उनका इकलौता पोता भी संन्यासी बन गया; इसी कारण उनके आग्रह पर बुद्ध ने यह महत्वपूर्ण नियम बनाया कि बिना माता-पिता की अनुमति कोई भी संघ में प्रवेश नहीं ले सकता, जो बौद्ध विनय का अहम सिद्धांत है और संघ की पारिवारिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

प्रश्न 7. महात्मा बुद्ध ने वेदों के बारे में क्या कहा है?

(A) वेद ईश्वरीय ग्रंथ हैं, इन्हें मानना चाहिए
(B) वेदों की अपौरुषेयता (ईश्वरीय उत्पत्ति) का खंडन किया
(C) वेद बुद्ध धर्म के आधार हैं
(D) वेदों का पाठ करने से मोक्ष मिलता है

✓ उत्तर: (B) वेदों की अपौरुषेयता (ईश्वरीय उत्पत्ति) का खंडन किया
महात्मा बुद्ध ने वेदों की अपौरुषेयता (वेद ईश्वर-निर्मित हैं) के सिद्धांत को अस्वीकार किया और स्पष्ट किया कि वेदों की प्रामाणिकता मानना आवश्यक नहीं है, इसी कारण बौद्ध धर्म को नास्तिक दर्शन कहा जाता है; इसी तरह जैन धर्म ने भी वेदों को नहीं माना, साथ ही बुद्ध का यह मत था कि मोक्ष के लिए ईश्वर का अस्तित्व अनिवार्य नहीं है, जिससे बौद्ध धर्म का तर्कवादी दृष्टिकोण तत्कालीन ब्राह्मणवाद से अलग दिखता है और यही उसकी लोकप्रियता का एक प्रमुख कारण बना।

प्रश्न 8. महात्मा बुद्ध की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या बताई गई है?

(A) उनका कठोर तपस्वी होना
(B) उनका यथार्थवादी (Realistic) होना
(C) उनका राजवंश में जन्म लेना
(D) उनका संस्कृत में उपदेश देना

✓ उत्तर: (B) उनका यथार्थवादी (Realistic) होना
महात्मा बुद्ध की सबसे बड़ी विशेषता उनका यथार्थवादी (Realistic) दृष्टिकोण था, जिसमें उन्होंने ईश्वर, स्वर्ग-नरक या आत्मा जैसे काल्पनिक प्रश्नों पर चर्चा करने के बजाय सीधे मनुष्य के दुःख और उसके व्यावहारिक समाधान पर जोर दिया; वे 'क्या ईश्वर है?' जैसे प्रश्नों पर मौन रहते थे क्योंकि उन्हें मोक्ष के लिए अनावश्यक मानते थे, और इसी नीति को अव्याकृत प्रश्न (Undetermined Questions) कहा जाता है, जिसने बौद्ध धर्म को आम लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बना दिया।

प्रश्न 9. बौद्ध धर्म की सफलता का कौन-सा कारण सबसे अनूठा था जो उसे अन्य धर्मों से अलग करता है?

(A) उसने केवल राजाओं को लक्ष्य किया
(B) आम जनों की भाषा पालि में प्रचार और बदली परिस्थितियों में स्वयं को समायोजित करने की क्षमता
(C) उसने हिंसा का समर्थन किया
(D) उसने केवल ब्राह्मणों को दीक्षित किया

✓ उत्तर: (B) आम जनों की भाषा पालि में प्रचार और बदली परिस्थितियों में स्वयं को समायोजित करने की क्षमता
बौद्ध धर्म की सफलता के प्रमुख कारणों में ब्राह्मणीय बुराइयों के विरुद्ध यथार्थवादी दृष्टिकोण, बुद्ध का प्रभावशाली व्यक्तित्व, पालि भाषा में प्रचार, राजकीय संरक्षण (अशोक, कनिष्क, हर्षवर्धन, पाल), भिक्षु-भिक्षुणियों का सरल जीवन, नागार्जुन, वसुबंधु, असंग, दिग्नाग जैसे विद्वानों का समर्थन, परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता तथा गांधार व मथुरा कला शैली शामिल हैं, जिनमें विशेष रूप से पालि में प्रचार और अनुकूलन क्षमता ने इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 10. बौद्ध धर्म की सफलता में किन विद्वानों का विशेष योगदान था?

(A) शंकराचार्य और कुमारिल भट्ट
(B) नागार्जुन, वसुबंधु, असंग, दिग्नाग
(C) चाणक्य और अश्वघोष
(D) मनु और याज्ञवल्क्य

✓ उत्तर: (B) नागार्जुन, वसुबंधु, असंग, दिग्नाग
बौद्ध धर्म की सफलता में नागार्जुन (शून्यवाद/माध्यमिका), वसुबंधु और असंग (विज्ञानवाद/योगाचार) तथा दिग्नाग (प्रमाणशास्त्र/तर्कशास्त्र) जैसे महान विद्वानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनकी दार्शनिक रचनाओं ने बौद्ध धर्म को मजबूत बौद्धिक आधार दिया, जिससे वह वेदांत जैसे अन्य दर्शनों से प्रभावी रूप से मुकाबला कर सका; लेकिन जब राजकीय संरक्षण समाप्त हुआ, तो यही विद्वान परंपरा भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ गई, जो इसके पतन का एक प्रमुख कारण बना।

प्रश्न 11. किस बाह्य आक्रमणकारी ने बौद्ध धर्म पर विशेष प्रहार किया?

(A) सिकंदर
(B) मिहिरकुल
(C) चंगेज खान
(D) तैमूर लंग

✓ **उत्तर: (B) मिहिरकुल**
मिहिरकुल (Mihirakula) एक हूण आक्रमणकारी था जिसने 6वीं शताब्दी में उत्तर भारत पर आक्रमण कर बौद्ध मठों और स्तूपों को नष्ट किया, और बौद्ध धर्म के प्रति गहरा विद्वेष दिखाया, जिसका उल्लेख ह्वेनसांग के यात्रा-वृत्तांत में भी मिलता है; बौद्ध धर्म पर प्रहार करने वाले प्रमुख नामों में मिहिरकुल, बख्तियार खिलजी (नालंदा का विनाश) और शशांक (बोधि वृक्ष कटवाना) शामिल हैं, जिन्हें इसके पतन के महत्वपूर्ण कारणों में गिना जाता है।

प्रश्न 12. किस ब्राह्मण विद्वान ने शंकराचार्य के साथ मिलकर बौद्ध धर्म का खंडन किया?

(A) पतंजलि
(B) कुमारिल भट्ट
(C) रामानुजाचार्य
(D) माधवाचार्य

✓ **उत्तर: (B) कुमारिल भट्ट**
बौद्ध धर्म के पतन में कुमारिल भट्ट (मीमांसा दर्शन के आचार्य) और शंकराचार्य का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है, जहाँ कुमारिल भट्ट ने वेदों की प्रामाणिकता को पुनः स्थापित करते हुए अपनी रचनाओं — श्लोकवार्तिक, तंत्रवार्तिक और टुप्टीका — में बौद्ध दर्शन का खंडन किया, वहीं शंकराचार्य ने भी वैदिक विचारों को सशक्त किया, जिसके परिणामस्वरूप 8वीं–9वीं शताब्दी में वैदिक धर्म का पुनरुत्थान हुआ और बौद्ध धर्म धीरे-धीरे भारत में हाशिये पर चला गया।

प्रश्न 13. चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध साहित्य की भाषा में क्या परिवर्तन आया?

(A) पालि से अपभ्रंश में बदल गई
(B) पालि से संस्कृत में बदल गई
(C) संस्कृत से पालि में बदल गई
(D) भाषा में कोई परिवर्तन नहीं आया

✅ **उत्तर: (B) पालि से संस्कृत में बदल गई**
बौद्ध धर्म के पतन का एक प्रमुख कारण यह रहा कि चतुर्थ बौद्ध संगीति (72 ई०, कनिष्क) के बाद बौद्ध साहित्य की भाषा पालि से बदलकर संस्कृत हो गई, जबकि महात्मा बुद्ध ने जानबूझकर आम जनों की भाषा पालि में उपदेश दिए थे; संस्कृत में आने के बाद यह धर्म केवल शिक्षित और ब्राह्मण वर्ग तक सीमित होता गया, जिससे उसकी जनसामान्य तक पहुँच कम हो गई और वह धीरे-धीरे ब्राह्मण धर्म के करीब आने लगा, जो उसके पतन का एक महत्वपूर्ण कारण बना।

प्रश्न 14. हीनयान बौद्ध धर्म की दो उपशाखाएं कौन-सी थीं?

(A) शून्यवाद और विज्ञानवाद
(B) वैभाषिक और सौत्रांतिक
(C) थेरवाद और महासंघिक
(D) तंत्रयान और मंत्रयान

✅ **उत्तर: (B) वैभाषिक और सौत्रांतिक**
बौद्ध धर्म में आगे चलकर हीनयान (थेरवाद) की दो शाखाएँ — वैभाषिक (प्रत्यक्ष से बाह्य जगत का ज्ञान) और सौत्रांतिक (अनुमान से ज्ञान) — विकसित हुईं, जबकि महायान में माध्यमिक (शून्यवाद — नागार्जुन) और विज्ञानवाद (योगाचार — मैत्रेयनाथ) प्रमुख रहे, इस प्रकार परीक्षा के लिए याद रखने योग्य चार दार्शनिक विद्यालय हैं — वैभाषिक, सौत्रांतिक, माध्यमिक और विज्ञानवाद।

प्रश्न 15. 'अश्वघोष' को 'भारत का मिल्टन' क्यों कहा जाता है?

(A) क्योंकि वे अंधे थे
(B) क्योंकि वे एक महान काव्य-प्रतिभा वाले बौद्ध कवि थे जैसे मिल्टन अंग्रेजी साहित्य के
(C) क्योंकि वे इंग्लैंड गए थे
(D) क्योंकि उन्होंने युद्ध-काव्य लिखा

✓ **उत्तर: (B) क्योंकि वे एक महान काव्य-प्रतिभा वाले बौद्ध कवि थे जैसे मिल्टन अंग्रेजी साहित्य के**
अश्वघोष को 'भारत का मिल्टन' कहा जाता है क्योंकि जिस प्रकार जॉन मिल्टन अंग्रेजी के महान महाकाव्य-कवि माने जाते हैं, उसी तरह अश्वघोष संस्कृत बौद्ध साहित्य के श्रेष्ठ कवि थे; उनकी रचनाएँ 'बुद्धचरित' और 'सौंदरानंद' विशेष प्रसिद्ध हैं, साथ ही याद रखने योग्य उपनाम हैं — भारत का मैकियावेली (कौटिल्य), भारत का आइंस्टीन (नागार्जुन), भारत का मिल्टन (अश्वघोष), भारत का कांट (धर्मकीर्ति), भारत का शेक्सपियर (कालिदास) और भारत का नेपोलियन (समुद्रगुप्त)।

प्रश्न 16. 'भारत का कांट' किसे कहा जाता है?

(A) नागार्जुन
(B) अश्वघोष
(C) धर्मकीर्ति
(D) वसुबंधु

✓ **उत्तर: (C) धर्मकीर्ति**
धर्मकीर्ति (7वीं शताब्दी) को 'भारत का कांट' कहा जाता है क्योंकि जिस प्रकार इमानुएल कांट जर्मन दर्शन के महान दार्शनिक माने जाते हैं, उसी तरह धर्मकीर्ति बौद्ध प्रमाणशास्त्र (तर्कशास्त्र) के सर्वोच्च विद्वान थे; उनकी प्रसिद्ध रचना 'प्रमाणवार्तिक' है और उन्होंने दिग्नाग की ज्ञानमीमांसा को और विकसित किया, साथ ही उपनाम सूची में याद रखें — नागार्जुन = भारत का आइंस्टीन, अश्वघोष = भारत का मिल्टन, धर्मकीर्ति = भारत का कांट, जबकि 'भारत का सिकंदर' के रूप में वज्रयान का उल्लेख एक रोचक व अनूठा तथ्य है।

प्रश्न 17. बौद्ध धर्म को सबसे अंत तक संरक्षण देने वाला वंश कौन-सा था?

(A) मौर्य वंश
(B) गुप्त वंश
(C) पाल वंश
(D) कुशाण वंश

✅ **उत्तर: (C) पाल वंश**
पाल वंश बौद्ध धर्म का अंतिम प्रमुख राजकीय संरक्षक था, जिसने 8वीं से 12वीं शताब्दी तक बिहार और बंगाल में शासन करते हुए इसे संरक्षण दिया; धर्मपाल ने विक्रमशिला और गोपाल ने ओदंतपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना कराई, लेकिन पाल वंश के पतन और बख्तियार खिलजी द्वारा नालंदा व विक्रमशिला के विनाश के बाद भारत में बौद्ध धर्म लगभग समाप्त हो गया, इसलिए राजकीय संरक्षकों का क्रम याद रखें — अशोक → कनिष्क → हर्षवर्धन → पाल वंश (अंतिम)।

प्रश्न 18. 'कथावत्थु' पुस्तक के लेखक कौन हैं और यह किस संगीति में लिखी गई?

(A) वसुमित्र — चतुर्थ संगीति
(B) अश्वघोष — चतुर्थ संगीति
(C) मोग्गलिपुत्त तिस्स — तृतीय संगीति
(D) महाकश्यप — प्रथम संगीति

✅ **उत्तर: (C) मोग्गलिपुत्त तिस्स — तृतीय संगीति**
'कथावत्थु' (Kathavatthu) के लेखक मोग्गलिपुत्त तिस्स थे, जो तृतीय बौद्ध संगीति (251 ई०पू०, पाटलिपुत्र — अशोक के समय) के अध्यक्ष थे; इस ग्रंथ में विभिन्न बौद्ध सम्प्रदायों के मतों का खंडन किया गया है और यह अभिधम्म पिटक का हिस्सा है जिसे उसी संगीति में त्रिपिटक में जोड़ा गया, साथ ही प्रमुख ग्रंथ-लेखक याद रखें — कथावत्थु (मोग्गलिपुत्त तिस्स), विभाषशास्त्र (वसुमित्र), बुद्धचरित (अश्वघोष), माध्यमिककारिका (नागार्जुन)।

प्रश्न 19. बौद्ध धर्म के पतन के कारण में 'बौद्ध संघ में धन और महिलाओं के प्रवेश' से क्या आशय है?

(A) महिलाओं ने संघ को नष्ट किया
(B) संघ में अत्यधिक धन और बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश से भिक्षुओं में विलासिता और भ्रष्टाचार आया जिससे नैतिक पतन हुआ
(C) धन आने से संघ मजबूत हो गया
(D) महिलाओं ने बौद्ध धर्म का प्रचार रोका

✅ उत्तर: (B) संघ में अत्यधिक धन और बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश से भिक्षुओं में विलासिता और भ्रष्टाचार आया जिससे नैतिक पतन हुआ

बौद्ध धर्म के पतन का एक आंतरिक कारण यह था कि राजाओं और धनी व्यक्तियों के दान से संघों में अत्यधिक धन आ गया, जिससे सादगी और तपस्या की जगह विलासिता ने ले ली और संघ धीरे-धीरे भ्रष्टाचार का केंद्र बनने लगा; साथ ही कुछ मतों के अनुसार महिलाओं के प्रवेश से अनुशासन पर प्रभाव पड़ा — यद्यपि यह दृष्टिकोण विवादित है — और स्वयं बुद्ध ने संकेत दिया था कि इससे धर्म का जीवनकाल घट सकता है, परिणामस्वरूप संघ की नैतिक दुर्बलता ने बौद्ध धर्म की सामाजिक प्रतिष्ठा को कमजोर कर दिया।

प्रश्न 20. 'देवरिया जिले का कसिया गांव' किस बौद्ध घटना से संबंधित है?
(A) महात्मा बुद्ध का जन्म
(B) महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण (मृत्यु)
(C) प्रथम उपदेश
(D) ज्ञान प्राप्ति

✅ उत्तर: (B) महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण (मृत्यु)
उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का कसिया गाँव (कुशीनगर) वही ऐतिहासिक स्थल है जहाँ महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआ था; प्राचीन काल में यह मल्ल गणराज्य का भाग था और आधुनिक इतिहास में कुशीनगर को कसिया के नाम से भी जाना गया, जहाँ 1876 में उत्खनन से बुद्ध की लेटी हुई महापरिनिर्वाण मुद्रा की विशाल प्रतिमा प्राप्त हुई, साथ ही यहाँ के प्रमुख स्थल — महापरिनिर्वाण मंदिर और रंभार स्तूप (दाह संस्कार स्थल) — इसे बौद्ध धर्म के आठ प्रमुख तीर्थ स्थलों में विशेष स्थान दिलाते हैं।

प्रश्न 21. बौद्ध धर्म की सफलता में गांधार और मथुरा कला शैली की क्या भूमिका थी?

(A) इनसे बौद्ध धर्म का पतन हुआ
(B) इन कला शैलियों ने बौद्ध धर्म को दृश्य रूप देकर उसे जन-जन तक पहुँचाया
(C) इनसे केवल हिंदू धर्म का प्रचार हुआ
(D) इन कला शैलियों का बौद्ध धर्म से कोई संबंध नहीं था

✅ **उत्तर: (B) इन कला शैलियों ने बौद्ध धर्म को दृश्य रूप देकर उसे जन-जन तक पहुँचाया**
बौद्ध धर्म की सफलता में गांधार (यूनानी-रोमन प्रभाव) और मथुरा (शुद्ध भारतीय) कला शैलियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जहाँ पहली बार बुद्ध की मानवीय मूर्तियाँ बनाकर उन्हें एक जीवंत व्यक्तित्व के रूप में जन-सामान्य के सामने प्रस्तुत किया गया; साथ ही अजंता, एलोरा, साँची और भरहुत जैसे कला केंद्रों ने बुद्ध के जीवन और जातक कथाओं को चित्रों व मूर्तियों में अमर कर दिया, जिससे बौद्ध धर्म उन लोगों तक भी पहुँचा जो ग्रंथ नहीं पढ़ सकते थे, और यही इसकी लोकप्रियता का एक बड़ा कारण बना।

प्रश्न 22. बौद्ध धर्म के अनुसार विश्व मानव समुदाय को दिया गया सबसे बड़ा योगदान क्या है?

(A) अहिंसा
(B) मध्यम मार्ग
(C) निर्वाण की अवधारणा
(D) बौद्ध संघ की स्थापना

✅ **उत्तर: (B) मध्यम मार्ग**
बौद्ध धर्म का विश्व को दिया गया सबसे बड़ा संदेश 'मध्यम मार्ग' (Middle Path) है, जिसका अर्थ है न अति विलासिता, न अति तपस्या, बल्कि संतुलित जीवन, और यह सिद्धांत केवल आध्यात्मिक नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में लागू होता है; बुद्ध ने इसे अपने अनुभव से समझा — एक ओर राजमहल की विलासिता और दूसरी ओर 6 वर्षों की कठोर तपस्या — इसीलिए उनका मार्ग व्यावहारिक और संतुलित बना, जहाँ अतिवाद से बचने पर जोर है, और यही कारण है कि आज के आधुनिक समाज में भी इसकी प्रासंगिकता बनी हुई है।

प्रश्न 23. 'राजगीर' बौद्ध धर्म के आठ महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। यह किस घटना से जुड़ा है?

(A) महात्मा बुद्ध का जन्म
(B) प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन
(C) महापरिनिर्वाण
(D) बौद्ध संघ की स्थापना

✅ उत्तर: (B) प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन
राजगीर (राजगृह) मगध की प्राचीन राजधानी था और बौद्ध धर्म के आठ प्रमुख स्थलों में शामिल है, क्योंकि यहीं प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई०पू०) हुई, बिम्बिसार ने यहीं वेलुवन विहार बनवाया और गृद्धकूट पर्वत पर बुद्ध ने कई महत्वपूर्ण उपदेश दिए; परीक्षा हेतु संक्षेप में याद रखें — लुम्बिनी (जन्म), सारनाथ (प्रथम उपदेश), राजगीर (प्रथम संगीति), वैशाली (द्वितीय संगीति + आम्रपाली), कुशीनगर (महापरिनिर्वाण), बोधगया (ज्ञान), श्रावस्ती (सर्वाधिक वर्षावास), संकिषा (स्वर्ग से अवतरण)।

प्रश्न 24. 'सुनीति' और 'वस्सकार' बौद्ध धर्म में किस भूमिका में थे?

(A) बुद्ध के प्रमुख दार्शनिक शिष्य
(B) महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़े राज्यकर्ता (प्रशासक)
(C) बौद्ध संगीतियों के अध्यक्ष
(D) बुद्ध के प्रमुख विरोधी

✅ उत्तर: (B) महात्मा बुद्ध के जीवन से जुड़े राज्यकर्ता (प्रशासक)
बौद्ध साहित्य में महात्मा बुद्ध से जुड़े विभिन्न व्यक्तियों की भूमिकाएँ याद रखना महत्वपूर्ण है — सुनीति और वस्सकार (राज्यकर्ता/अमात्य), जिनमें वस्सकार मगध के प्रमुख मंत्री थे; अन्य प्रमुख नाम हैं — आनंद (निजी परिचारक), जीवक (चिकित्सक), आम्रपाली (गणिका), चुंद (कर्मकार), अंगुलिमाल (डाकू), तपस्सु व मल्लिक (प्रथम शिष्य) तथा पंचवर्गीय भिक्खु (प्रथम उपदेश के श्रोता), इसलिए परीक्षा में इनकी भूमिकाएँ विशेष रूप से याद रखना आवश्यक है।

प्रश्न 25. बौद्ध धर्म और जैन धर्म की अहिंसा की तुलना में मुख्य अंतर क्या है?

(A) बौद्ध धर्म जैन से अधिक कट्टर अहिंसावादी है
(B) जैन धर्म बौद्ध धर्म की तुलना में अधिक कट्टर अहिंसावादी है जबकि बौद्ध धर्म अहिंसा में मध्यम मार्गी है
(C) दोनों की अहिंसा एकसमान है
(D) बौद्ध धर्म अहिंसा को नहीं मानता

✓ उत्तर: (B) जैन धर्म बौद्ध धर्म की तुलना में अधिक कट्टर अहिंसावादी है जबकि बौद्ध धर्म अहिंसा में मध्यम मार्गी है
जैन धर्म और बौद्ध धर्म दोनों अहिंसा को मानते हैं, लेकिन जैन धर्म की अहिंसा अत्यंत कठोर और व्यापक है — जैसे मुँह पर पट्टी बाँधना और रास्ता साफ करके चलना — जबकि बौद्ध धर्म 'मध्यम मार्ग' अपनाते हुए व्यावहारिक अहिंसा पर जोर देता है, इसलिए वहाँ माँस भक्षण भी स्वीकार्य है यदि जीव को विशेष रूप से न मारा गया हो; साथ ही बुद्ध और महावीर समकालीन थे और दोनों ने ब्राह्मणवाद का विरोध किया।

प्रश्न 26. अशोक ने हिमालय क्षेत्र में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए किसे भेजा?

(A) महेन्द्र
(B) मज्झिम
(C) महारक्षित
(D) सोन

✓ उत्तर: (B) मज्झिम
सम्राट अशोक ने तृतीय बौद्ध संगीति (251 ई०पू०) के बाद बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु विभिन्न क्षेत्रों में दूत भेजे, जिनमें याद रखने योग्य हैं — महेन्द्र+संघमित्रा (श्रीलंका), मज्झिम (हिमालय), महारक्षित (यवन देश), महादेव (मैसूर), सोन+उत्तरा (महाराष्ट्र), महाधर्म रक्षित (महाराष्ट्र), अशोक+चारुमती (नेपाल), और खास तौर पर परीक्षा में ध्यान रखें — मज्झिम → हिमालय तथा महादेव → मैसूर, क्योंकि यही जोड़े अक्सर पूछे जाते हैं।

प्रश्न 27. अशोक ने मैसूर (दक्षिण भारत) में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए किसे भेजा?

(A) सोन
(B) मज्झिम
(C) महादेव
(D) महाधर्म रक्षित

✅ **उत्तर: (C) महादेव**
सम्राट अशोक ने मैसूर (दक्षिण भारत) में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए महादेव को भेजा, जिससे स्पष्ट होता है कि उनकी धर्म नीति केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं थी बल्कि दक्षिण भारत, श्रीलंका, मध्य एशिया और नेपाल तक फैली थी; यही कारण है कि उनके समय में बौद्ध धर्म एक विश्व धर्म बना, और दक्षिण भारत में इसके प्रमाण अमरावती स्तूप व नागार्जुनकोण्डा जैसे स्थलों से मिलते हैं, इसलिए खास तौर पर याद रखें — महादेव → मैसूर और सोन+उत्तरा → महाराष्ट्र।

प्रश्न 28. अशोक ने नेपाल में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए किसे भेजा?

(A) महेन्द्र और संघमित्रा
(B) मज्झिम
(C) अशोक और उनकी पुत्री चारुमती
(D) महारक्षित

✅ **उत्तर: (C) अशोक और उनकी पुत्री चारुमती**
नेपाल में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए सम्राट अशोक स्वयं गए और उनके साथ उनकी पुत्री चारुमती भी थीं — यह जोड़ी विशेष है क्योंकि इसमें राजा ही प्रचारक की भूमिका में दिखाई देते हैं; नेपाल का बौद्ध धर्म से गहरा संबंध है क्योंकि लुम्बिनी (बुद्ध का जन्म स्थान) वहीं स्थित है, और अशोक की यात्रा के प्रमाण रुम्मिनदेई स्तंभ व निगलीसागर स्तंभ से मिलते हैं, साथ ही चारुमती ने नेपाल में रहकर बौद्ध धर्म के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रश्न 29. बौद्ध स्थापत्य में 'स्तूप' की सटीक परिभाषा क्या है?

(A) बौद्ध भिक्षुओं का आवास स्थान
(B) बौद्ध पूजा-गृह जहाँ अनुष्ठान होते हैं
(C) महात्मा बुद्ध या उनके प्रिय शिष्यों के शरीरावशेष या उनके द्वारा प्रयुक्त सामानों को गाड़कर उसके ऊपर बनाई गई अर्द्धगोलीय आकृति
(D) बौद्ध धर्म की दार्शनिक पुस्तकें रखने का स्थान

✓ **उत्तर: (C) महात्मा बुद्ध या उनके प्रिय शिष्यों के शरीरावशेष या उनके द्वारा प्रयुक्त सामानों को गाड़कर उसके ऊपर बनाई गई अर्द्धगोलीय आकृति**
'स्तूप' (Stupa) वह अर्द्धगोलीय संरचना है जो महात्मा बुद्ध या उनके शिष्यों के शरीरावशेष/उपयोग की वस्तुओं को सुरक्षित रखकर उसके ऊपर बनाई जाती है; बौद्ध स्थापत्य में तीन मुख्य रूप हैं — चैत्य (पूजा-गृह), विहार (निवास/आवास) और स्तूप (अवशेषों पर बनी संरचना), इसलिए इनकी परिभाषाओं को स्पष्ट रूप से अलग-अलग याद रखना जरूरी है, साथ ही अशोक द्वारा 84,000 स्तूपों का निर्माण कराया गया बताया जाता है और प्रमुख उदाहरण हैं — साँची, भरहुत, अमरावती और धमेख स्तूप।

प्रश्न 30. 'असंग' का बौद्ध दर्शन में क्या योगदान था?

(A) उन्होंने शून्यवाद दर्शन की स्थापना की
(B) उन्होंने विज्ञानवाद (योगाचार) दर्शन को आगे बढ़ाया
(C) उन्होंने त्रिपिटक का संकलन किया
(D) उन्होंने प्रथम बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की

✓ **उत्तर: (B) उन्होंने विज्ञानवाद (योगाचार) दर्शन को आगे बढ़ाया**
असंग (Asanga) वसुबंधु के बड़े भाई और 4वीं–5वीं शताब्दी के महान बौद्ध दार्शनिक थे, जिन्होंने मैत्रेयनाथ के विज्ञानवाद (योगाचार) दर्शन को आगे बढ़ाते हुए 'योगाचारभूमि' जैसा महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखा; बौद्ध धर्म की बौद्धिक सफलता में उनका स्थान नागार्जुन, वसुबंधु और दिग्नाग के साथ लिया जाता है, जहाँ दिग्नाग ने विशेष रूप से बौद्ध प्रमाणशास्त्र (तर्कशास्त्र) को विकसित किया।

प्रश्न 31. 'दिग्नाग' का बौद्ध धर्म में क्या विशेष योगदान था?

(A) उन्होंने बौद्ध संघ की स्थापना की
(B) उन्होंने बौद्ध प्रमाणशास्त्र (तर्कशास्त्र) विकसित किया
(C) उन्होंने पहली बौद्ध संगीति बुलाई
(D) उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की

✓ उत्तर: (B) उन्होंने बौद्ध प्रमाणशास्त्र (तर्कशास्त्र) विकसित किया
दिग्नाग (5वीं शताब्दी) को बौद्ध तर्कशास्त्र/प्रमाणशास्त्र का जनक माना जाता है, जिन्होंने 'प्रमाणसमुच्चय' में ज्ञान के साधनों — प्रत्यक्ष और अनुमान — का गहन विश्लेषण किया; उनके कार्य को आगे धर्मकीर्ति (भारत का कांट) ने विकसित किया, और इन्हीं विद्वानों के कारण बौद्ध धर्म को मजबूत दार्शनिक व तार्किक आधार मिला, जिससे वह वेदांत जैसे दर्शनों से प्रतिस्पर्धा कर सका, इसलिए नागार्जुन, वसुबंधु, असंग और दिग्नाग को बौद्ध दर्शन के चार स्तंभ माना जाता है।

प्रश्न 32. बौद्ध धर्म के पतन का वह कारण कौन-सा था जो उसकी आंतरिक कमजोरी को दर्शाता है?
(A) मिहिरकुल का आक्रमण
(B) जो बौद्ध धर्म ब्राह्मणीय बुराइयों का विरोध कर उठा था, वही कालांतर में दुनिया भर की बुराइयों को ढोने वाली सवारी बन गया
(C) अशोक ने बौद्ध धर्म छोड़ दिया
(D) बुद्ध के पुत्र राहुल ने विरोध किया

✓ उत्तर: (B) जो बौद्ध धर्म ब्राह्मणीय बुराइयों का विरोध कर उठा था, वही कालांतर में दुनिया भर की बुराइयों को ढोने वाली सवारी बन गया
बौद्ध धर्म के पतन का सबसे बड़ा आंतरिक कारण यह था कि जिसने कभी ब्राह्मणीय बुराइयों (जाति-भेद, कर्मकांड) का विरोध किया था, वही कालांतर में उन्हीं दोषों — कर्मकांड, तांत्रिक अनुष्ठान, विलासिता और भ्रष्टाचार — से ग्रस्त हो गया; बौद्ध संघ में धन और ऐश्वर्य बढ़ने से नैतिक पतन हुआ और वज्रयान में तांत्रिक प्रवृत्तियाँ शामिल हो गईं, परिणामस्वरूप जब बौद्ध धर्म अपनी मूल पहचान से हटकर वही करने लगा जिसका वह विरोध करता था, तो उसकी विशिष्टता समाप्त हो गई और पतन तेज हो गया।

प्रश्न 33. 'वैशाली' बौद्ध धर्म के आठ महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। यहाँ कौन-सी दो प्रमुख घटनाएं हुईं?

(A) प्रथम उपदेश और ज्ञान प्राप्ति
(B) द्वितीय बौद्ध संगीति और आम्रपाली का आवास
(C) महापरिनिर्वाण और प्रथम बौद्ध संगीति
(D) जन्म और गृह त्याग

✅ **उत्तर: (B) द्वितीय बौद्ध संगीति और आम्रपाली का आवास**
वैशाली बौद्ध धर्म के आठ प्रमुख स्थलों में खास है क्योंकि यहाँ द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई०पू०) हुई और गणिका आम्रपाली का आवास था; यही वह स्थान है जहाँ महात्मा बुद्ध ने महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दी, यह लिच्छवि गणराज्य की राजधानी था, बुद्ध ने यहाँ द्वितीय वर्षावास किया, कूटाग्रामशाला विहार यहीं स्थित था और यहीं उन्होंने महापरिनिर्वाण की घोषणा भी की।

प्रश्न 34. 'सोन और उत्तरा' को अशोक ने किस क्षेत्र में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भेजा?

(A) श्रीलंका
(B) यवन देश
(C) महाराष्ट्र
(D) नेपाल

✅ **उत्तर: (C) महाराष्ट्र**
सम्राट अशोक ने महाराष्ट्र में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए 'सोन और उत्तरा' को भेजा, साथ ही महाधर्म रक्षित को भी वहीं नियुक्त किया गया — यानी महाराष्ट्र के लिए दो अलग-अलग प्रचारक दल भेजे गए; पूरी सूची में महेन्द्र+संघमित्रा (श्रीलंका), मज्झिम (हिमालय), महारक्षित (यवन देश), महादेव (मैसूर), सोन+उत्तरा (महाराष्ट्र), महाधर्म रक्षित (महाराष्ट्र), अशोक+चारुमती (नेपाल) शामिल हैं, और महाराष्ट्र में इसके प्रमाण अजंता व एलोरा की बौद्ध गुफाएँ हैं, इसलिए खास तौर पर याद रखें — सोन+उत्तरा → महाराष्ट्र।

प्रश्न 35. 'भारत का सिकंदर' किसे कहा गया है?

(A) नागार्जुन
(B) समुद्रगुप्त
(C) अशोक
(D) वज्रयान (बौद्ध सम्प्रदाय)

✓ **उत्तर: (D) वज्रयान (बौद्ध सम्प्रदाय)**
यह एक रोचक तथ्य है कि 'भारत का सिकंदर' उपनाम वज्रयान बौद्ध सम्प्रदाय को दिया गया है, क्योंकि जिस प्रकार सिकंदर ने अपने विजय अभियानों से विशाल क्षेत्र जीते, उसी तरह वज्रयान ने तिब्बत, मंगोलिया, भूटान और मध्य एशिया तक बौद्ध धर्म का व्यापक प्रसार किया; साथ ही उपनाम सूची याद रखें — भारत का मैकियावेली (कौटिल्य), आइंस्टीन (नागार्जुन), मिल्टन (अश्वघोष), कांट (धर्मकीर्ति), शेक्सपियर (कालिदास), नेपोलियन (समुद्रगुप्त), न्यूटन (ब्रह्मगुप्त), ग्लेडस्टोन (दादाभाई नौरोजी), मार्टिन लूथर किंग (स्वामी दयानंद), बिस्मार्क (सरदार पटेल), जॉन ऑफ आर्क (रानी गिडालू), सिकंदर (वज्रयान)।

प्रश्न 36. छठी शताब्दी ई०पू० में बौद्ध धर्म के उदय का सामाजिक कारण क्या था?

(A) राजाओं की माँग पर बौद्ध धर्म बना
(B) ब्राह्मणीय सामाजिक व धार्मिक जीवन में अंतर्व्याप्त बुराइयाँ और नवोदित आर्थिक परिस्थितियाँ
(C) महात्मा बुद्ध की इच्छा से नया धर्म बना
(D) वेदों में बौद्ध धर्म का उल्लेख था

✓ **उत्तर: (B) ब्राह्मणीय सामाजिक व धार्मिक जीवन में अंतर्व्याप्त बुराइयाँ और नवोदित आर्थिक परिस्थितियाँ**
बौद्ध धर्म की सफलता का सबसे बड़ा कारण यह था कि छठी शताब्दी ई०पू० में ब्राह्मणीय व्यवस्था की बुराइयाँ (जाति-भेद, पशुबलि, कर्मकांड) और बदलती आर्थिक परिस्थितियाँ लोगों में असंतोष पैदा कर रही थीं, ऐसे समय में बौद्ध धर्म ने एक यथार्थवादी और व्यावहारिक विकल्प दिया; खासकर वैश्य (व्यापारी वर्ग) इसका प्रमुख समर्थक बना क्योंकि यहाँ जाति नहीं बल्कि कर्म को महत्व दिया गया, जिससे समाज के वंचित वर्गों को नई पहचान और अवसर मिला।

प्रश्न 37. महात्मा बुद्ध के जीवन में 'निर्वाण (मोक्ष)' का प्रतीक क्या है?

(A) पीपल वृक्ष
(B) स्तूप
(C) चक्र
(D) पदचिन्ह

✅ **उत्तर: (D) पदचिन्ह।**
बौद्ध कला में बुद्ध के जीवन के प्रतीक याद रखें — हाथी (गर्भ प्रवेश), कमल (जन्म), साँड़ (यौवन), घोड़ा (गृह त्याग), पीपल वृक्ष (ज्ञान प्राप्ति), पदचिन्ह (निर्वाण), चक्र (प्रथम उपदेश) और स्तूप (महापरिनिर्वाण)।